।। अंतरी पेटवू ज्ञान ज्योत।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

Syllabus For

M. A. Part- I

(I^{st} & II^{nd} Semester)

HINDI

(w.e.f. June 2014)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
एम. ए. हिंदी भाग- 1 निर्धारित पाठ्यक्रम
(प्रारंभ जून 2014)

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

1) इस पाठ्यक्रम का अध्ययन जून 2014 से प्रारंभ होगा।

2) संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन दो वर्षो के लिए चार सत्रों में होगा।

3) संपूर्ण पाठ्यक्रम कुल 1600 अंकों का होगा।

4) प्रथम वर्ष (भाग-1) के प्रथम सत्र के अंतर्गत 1 से लेकर 4 तथा द्वितीय सत्र के अंतर्गत 5 से 8 तक का और द्वितीय वर्ष (भाग-2) के अंतर्गत तृतीय सत्र में 9 से 12 तथा चतुर्थ सत्र के अंतर्गत 13 से 16 तक के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा।

5) संपूर्ण हिंदी विषय लेनेवाले छात्रों के लिए सामान्य स्तर और विशेष स्तर दोनों स्तरों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा।

6) हिंदी गौण विषय के रूप में अध्ययन करनेवाले अर्थात अन्य विशेष विषय के 3 प्रश्नपत्र और हिंदी का एक प्रश्नपत्र लेनेवाले छात्रों को प्रथम सत्र के प्रश्नपत्र 1 का, द्वितीय सत्र के प्रश्नपत्र 5 का, तृतीय सत्र के प्रश्नपत्र 9 तथा चतुर्थ सत्र के प्रश्नपत्र 13 का अध्ययन करना होगा।

7) प्रथम वर्ष के अंतर्गत प्रश्नपत्र 2,3,4 तथा 6, 7, 8 उसी प्रकार द्वितीय वर्ष के अंतर्गत 10,11,12 तथा 14,15,16 विशेष स्तर के होंगे।

8) इस पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्र 4, प्रश्नपत्र 8, प्रश्नपत्र 12 तथा प्रश्नपत्र 16 के अंतर्गत विकल्प दिए गए हैं। इनमें से छात्रों को किसी एक ही वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।

9) प्रत्येक सत्र हेतु 60 + 40 पॅटर्न अपनाया गया है। प्रत्येक प्रश्नपत्र का प्रत्येक सत्र का पर्चा 60 अंकों का होगा। अंतर्गत मूल्यांकन हेतु 40 अंकों का प्रावधान है।

एम.ए. हिंदी भाग- 1

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्नपत्र -1- HI 1110	:	सामान्य स्तर - कथा साहित्य
प्रश्नपत्र-2- HI 1120	:	विशेष स्तर-आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य
प्रश्नपत्र-3-HI 1130	:	विशेष स्तर -भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दान्त एवं आलोचना
प्रश्नपत्र- 4- HI 1140	:	विशेष स्तर- वैकल्पिक
HI - 1140 (A)	:	विशेष साहित्यकार सूरदास
HI - 1140 (B)	:	विशेष विधा आत्मकथा
HI - 1140 (C)	:	अन्य अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया
प्रश्नपत्र -5- HI-1210	:	सामान्य स्तर-कथेतर गद्य साहित्य
प्रश्नपत्र-6- HI - 1220	:	विशेष स्तर-रीतिकालीन काव्य
प्रश्नपत्र-7- HI-1230	:	विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दान्त तथा वाद
प्रश्नपत्र-8 - HI-1240	:	विशेष स्तर- वैकल्पिक HI-1240-(A) आदिवासी विमर्श HI-1240 (B)-दलित विमर्श HI-1240(C)- नारी विमर्श

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र -1-HI-1110-सामान्य स्तर- कथा साहित्य

(उपन्यास, नाटक, कहानी)

उद्देश्य :

1) छात्रों को हिंदी की गद्य विधाओं से परिचित कराना।
2) आधुनिक गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करना।
3) विधा विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाना तथा मूल्यांकन की क्षमता निर्माण करना।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तके :-

1)	डूब - (उपन्यास)	-	वीरेन्द्र जैन वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2)	बाढ़ का पानी - (नाटक)	-	शंकर शेष सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली- 110007
3)	कथान्तर- (कहानी)	-	संपादक- डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव डॉ. गिरीश रस्तोगी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

(इस संकलन से गैंग्रीन, लाल पान की बेगम, गुल की बन्नो, पहाड़ तथा वापसी कहानियाँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी है। इन कहानियों पर परीक्षा में केवल एक टिप्पणीनुमा प्रश्न पूछा जाएगा। पठित कहानियों पर ससंदर्भ व्याख्या के लिए अवतरण नहीं पूछा जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ :-

1)	आज का हिंदी उपन्यास	-	डॉ. इन्द्रनाथ मदान
2)	वीरेन्द्र जैन का साहित्य	-	संपा. मनोहरलाल
3)	वीरेन्द्र जैन के कथा साहित्य में समाज और संस्कृति के विविध रूप	-	श्रीमती भुवनेश्वरी साहू
4)	हिन्दी के आदिवासी जीवन केंद्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन	-	डॉ. कलासवा
5)	आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव	-	डॉ. दशरथ ओझा
6)	हिन्दी नाटक	-	डॉ. बच्चनसिंह
7)	नाटककार शंकर शेष	-	डॉ. सुनील कुमार लवटे
8)	हिन्दी नाटक-रंगानुशासन एवं प्रायोगिक नवोन्मेष	-	डॉ. वीणा गौतम
9)	नटशिल्पी शंकर शेष	-	डॉ. सुरेश गौतम, डॉ. वीणा गौतम
10)	समकालीन हिन्दी नाटककार	-	गिरीश रस्तोगी
11)	आज की हिन्दी कहानी	-	डॉ.धनंजय
12)	नई कहानी की भूमिका	-	कमलेश्वर
13)	समकालीन हिन्दी कहानी	-	डॉ. विनय
14)	एक दुनिया समानांतर (भूमिका)	-	राजेन्द्र यादव
15)	हिन्दी का आधुनिक गद्य	-	रामचंद्र तिवारी

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र-2-HI-1120- विशेष स्तर -आदि एवं भक्तिकालीन काव्य

उद्देश्य :-

1) हिंदी के प्रतिनिधि कवियों की कृतियों के अध्ययन द्वारा आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य से परिचय प्राप्त करना।

2) आदिकालीन एवं भक्तिकालीन प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों की जानकारी लेना।

3) आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य-प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की काव्य कला का परिचय कराना।

4) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इन कवियों के महत्त्व से अवगत होना।

* पाठ्यक्रम :

* पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :

* विद्यापति * कबीर * जायसी

* अध्ययन हेतु रचनाएँ, ससंदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार से है-

1) विद्यापति पदावली - सं. श्री. रामवृक्ष बेनीपुरी
लोकभारती प्रकाशन, पटना।

छंद - 1,7,12,18,32,34, 67, 74, 77, 79

अध्ययनार्थ विषय - संयोग श्रृंगार, वियोग श्रृंगार, सौंदर्य चित्रण, भक्त या श्रृंगारी कवि, गीति कवि के रूप में स्थान, काव्यकला।

2) कबीर - सं. डॉ. श्यामसुंदरदास
नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

पद - 16,40, 43, 55, 66, 117, 156, 251, 396, 400

अध्ययनार्थ विषय - निर्गुण भक्ति की विशेषताएँ, क्रांतिदर्शी कबीर, प्रेम तत्त्व, विरह भावना, दार्शनिकता, सामाजिक पक्ष, भक्ति-भावना, लोकचिंतन, प्रासंगिकता, कलापक्ष।

3) जायसी- पद्मावत - सं. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

खंड एवं छंद - नागमती वियोग खंड
341, 342, 343, 344, 345, 350, 352, 354, 358, 359

अध्ययनार्थ विषय - प्रेम भावना, वियोग वर्णन, रूप सौंदर्य चित्रण, इतिहास और कल्पना, महाकाव्यत्व, समासोक्ति, अन्योक्ति जायसी का स्थान, कलापक्ष।

संदर्भ ग्रंथ -

1) विद्यापति की काव्य प्रतिभा - गोविंदराम शर्मा
2) विद्यापति: युग और साहित्य - डॉ. अरविंद नारायण सिन्हा
3) विद्यापति और उनका युग - डॉ. शिवप्रसाद सिंह
4) पद्मावत में काव्य संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
5) मलिकमुहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक
6) जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7) कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
8) कबीर - सं. डॉ. विजयेंद्र स्नातक
9) कबीर की विचार धारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
10) कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
11) कबीर साधना और साहित्य - डॉ. प्रतापसिंह चौहान
12) कबीरदास व्यक्ति और चिंतन - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
13) कबीर एक विवेचन - डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
14) कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद तिवारी
15) कबीरदास सृष्टि और दृष्टि - डॉ. शिवाजी देवरे/ डॉ. भाऊसाहेब परदेशी

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र -3- विशेष स्तर-HI-1130 भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं आलोचना

उद्देश्य -

1) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना।

2) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रों के सिद्धांतों के विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धांतों का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम :

1) भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षेप में परिचय।
(इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जायेगा)

2) रससिद्धांत - रस का स्वरूप रस निष्पत्ति विषयक भरमुनि का सूत्र और भट्टलोलट, शंकुक, भट्टनायक और अभिनव गुप्त की तत्संबंधी व्याख्याओं का विवेचन।
साधारणीकरण- भट्टनायक अभिनव गुप्त पंडितराज जगन्नाथ विश्वनाथ, आ. रामचंद्र शुक्ल, डॉ. नगेंद्र, डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों के संदर्भ में विवेचन। वर्तमान संदर्भ में रससिद्धांत।

3) अलंकार सिद्धांत - 'अलंकार' शब्द की व्युत्पत्ति परिभाषा स्वरूप अलंकार और अलंकार्य, अलंकार संप्रदाय, काव्य में अलंकार का स्थान।

4) रीति सिद्धांत- 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति परिभाषा। रीति के विविध पर्याय, रीति भेदों के आधार, रीतिभेद, रीति और गुण, रीति और शैली, आचार्य वामन का योगदान।

5) ध्वनि सिद्धांत- 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति, ध्वनि के भेद-अभिधामूला, लक्षणामूला, सलक्ष्यक्रम व्यंग्य, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य।

6) वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की परिभाषा, कुंतकपूर्व वक्रोक्ति, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्त्व।

7) औचित्य सिद्धांत - औचित्य का स्वरूप, काव्य में औचित्य का महत्त्व।

8) आलोचना- स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण
आलोचना के विभिन्न प्रकार, सैद्धांतिक, व्याख्यानात्मक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी, मनोवैज्ञानिक एवं प्रगतिवादी आलोचना।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र

2) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यसिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

3) रससिद्धांत : स्वरूप- विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित

4) भारतीय साहित्यशास्त्र - खंड-1 और 2- आ. बलदेव उपाध्याय

5) समीक्षाशास्त्र के सिद्धांत - भाग-1-2- डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

6) साहित्यशास्त्र प्रमुख सिद्धांत - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

7) भारतीय काव्यशास्त्र - उदयभानु सिंह

8) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - कृष्णदेव शर्मा

9) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव झारी

10) रससिद्धांत - आ. रामचंद्र शुक्ल

11) रससिद्धांत की सामाजिक भूमिका - डॉ. दुर्गा दीक्षित

12) औचित्य विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

13) ध्वनिसंप्रदाय और उसके सिद्धांत - डॉ. बच्चूलाल अवस्थी 'ज्ञान'

14) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. सुरेश अग्रवाल

15) काव्य समीक्षा के भारतीय मानदण्ड - डॉ. वासंती सालवेकर
डॉ. उर्मिला पाटील

16) सुगम काव्यशास्त्र - डॉ. सुरेश माहेश्वरी

17) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत - गोविंद त्रिगुणायत.

18) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. विजयकुमार वेदालंकार

19) साहित्य रूप: शास्त्रीय विश्लेषण - डॉ. ज्ञा. बा. गायकवाड

20) समीक्षा शास्त्र - डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे
डॉ. नरसिंहप्रसाद दुबे

21) भारतीय काव्यशास्त्र - योगेंद्र प्रताप सिंह

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र 4- विशेषस्तर- वैकल्पिक

HI-1140-(A) - विशेष साहित्यकार - सूरदास

उद्देश्य -

1) विशेष साहित्यकार के रूप में सूरदास के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का ज्ञान प्राप्त करना।

2) युगीन परिप्रेक्ष्य में सूरदास के काव्य की प्रेरणाओं तथा विशेषताओं का अध्ययन करना।

3) सूर काव्य की वात्सल्य लीला के संदर्भ में उनके योगदान पर प्रकाश डालना तथा साहित्यिक व्यक्तित्व का मूल्यांकन करना।

पाठ्यक्रम

अ) अध्ययन और आलोचना

i) भक्ति आंदोलन और सगुण भक्ति।

ii) अष्टछाप कवि और सूरदास।

iii) सूरदास और उनका साहित्य।

iv) सूरकाव्य का भावपक्ष।

v) सूरदास विनय तथा भक्ति।

vi) सूरदास का वात्सल्य वर्णन।

vii) सूरदास की काव्य कला।

viii) सूरदास का वियोगवर्णन।

ix) प्रकृति चित्रण

आ) पाठ्यपुस्तक -

1) सूरसागर-सार- सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद

अध्ययन हेतु पद- (सूरसागर-सार)

विनय तथा भक्ति- 2, 5, 12, 17, 23, 25, 26, 33, 38, 43

गोकुल लीला- 2, 3, 7, 18, 26, 35, 65, 67, 68, 69

इ) पाठ्यपुस्तक- भ्रमरगीत- सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कमल प्रकाशन, दिल्ली

पद (भ्रमरगीत) - 21, 25, 32, 32, 40, 51, 64, 95, 98, 172, 210

संदर्भ ग्रंथ -

1)	सूर और उनका काव्य	-	डॉ. हरबंशलाल शर्मा
2)	सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण	-	डॉ. विश्वनाथ उपाध्याय
3)	भ्रमरगीत का काव्यवैभव	-	डॉ. मनमोहन गौतम
4)	राधावल्लभ सम्प्रदाय सिद्धांत और साहित्य	-	डॉ. विजयेंद्र स्नातक
5)	सूर निर्णय	-	द्वारिकादास परीख प्रभुदयाल मीतल
6)	सूरवर्णित कृष्णलीला	-	डॉ. किरणकुमारी शर्मा
7)	भ्रमरगीत सार में काव्य, कला और दर्शन	-	प्रेमकृष्ण अनामिता
8)	भ्रमरगीत और सूर	-	देवेंद्रकुमार
9)	भक्ति-आंदोलन और सूरदास का काव्य	-	मैनेजर पाण्डेय
10)	भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति	-	कुँवर पाल सिंह
11)	भक्ति के आयाम	-	डॉ. पी. जयरामन
12)	भक्तिकालीन काव्य में मानवीय मूल्य	-	डॉ. हणमंतराव पाटील
13)	मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तंभ	-	डॉ. तेजपाल चौधरी
14)	भक्तिकाल की प्रासंगिकता	-	डॉ. संजय शर्मा
15)	मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता	-	डॉ. कृष्णा पोतदार

HI-1140 (B) - विशेष विधा - आत्मकथा

उद्देश्य-

1) साहित्य विधाओं में से प्रमुख विधा 'आत्मकथा विधा' के तात्विक स्वरूप की जानकारी प्राप्त करना।
2) हिंदी आत्मकथाओं के विकासक्रम से परिचय प्राप्त करना।
3) हिंदी आत्मकथाओं की विभिन्न प्रवृत्तियों को समझना।
4) हिंदी उपन्यास के विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में निर्धारित प्रमुख प्रतिनिधि आत्मकथाओं का अध्ययन।

पाठ्यक्रम

1) अन्या से अनन्या - डॉ. प्रभा खेतान
   राजकमल प्रकाशन
   नई दिल्ली, इलहाबाद, पटना।
2) एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी
   राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3) कस्तुरी कुंडल बसै - मैत्रेयी पुष्पा,
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अध्ययनार्थ विषय (सैद्धांतिक पक्ष) :-

1) आत्मकथा की परिभाषा-आत्मकथा का स्वरूप
2) आत्मकथा के तत्त्व- कथ्य, चरित्रचित्रण, वातावरण, संवाद, भाषा शैली, उद्देश्य, पठित कृतियों की आलोचना।
3) हिंदी आत्मकथा- साहित्य का विकास
4) हिंदी आत्मकथा की प्रवृत्तियाँ।
5) हिंदी आत्मकथा का शिल्पविधान।

संदर्भ ग्रंथ-

1)	प्रभा खेतान के उपन्यासों में नारी	-	डॉ. अशोक मराठे
2)	मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में नारी	-	डॉ. संतोष पवार
3)	मन्नू भंडारी के साहित्य में चित्रित समस्याएँ	-	डॉ. माधवी जाधव
4)	प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श	-	डॉ. कामिनी तिवारी
5)	मन्नू भंडारी की कहानियों में मूल्य चेतना	-	डॉ. ओमप्रकाश नायर
6)	महिला लेखिकाओं के उपन्यासों में नारी	-	डॉ. हरबंस कौर
7)	साठोत्तरी हिंदी उपन्यासों में परिवर्तित नारी जीवनमूल्य	-	डॉ. छायादेवी घोरपडे
8)	नारी चिंतन : नयी चुनौतियाँ	-	डॉ. राजकुमारी गडकर
9)	शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत	-	डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
10)	काव्यशास्त्र विविध आयाम	-	डॉ. मधु खराटे
11)	हिंदी का गद्य साहित्य	-	डॉ. रामचंद्र तिवारी
12)	हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	-	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
13)	हिंदी आत्मकथा साहित्य	-	डॉ. नारायण शर्मा

HI-1140 (C) अन्य - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

उद्देश्य-

1) अनुसंधान प्रविविध से परिचित कराना।
2) अनुसंधान की प्रक्रिया से परिचित कराना।
3) अनुसंधान कार्य के लिए प्रेरणा प्रदान करना।
4) अनुसंधान की क्षमता का विकास करना।

पाठ्यक्रम -

(अ) अनुसंधान स्वरूप -

1) अनुसंधान हेतु प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य।
2) अनुसंधान की परिभाषाएँ और उनका आशय।
3) अनुसंधान के उद्देश्य।

(आ) अनुसंधान के प्रकार-

1) साहित्यिक अनुसंधान और उसके प्रकार-
   वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, व्याख्यात्मक।
2) साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुसंधान - साम्य-वैषम्य।

(इ) अनुसंधान की प्रक्रिया-

विषय चयन, सामग्री संकलन, सामग्री का विश्लेषण वर्गीकरण, सामग्री का विवेचन एवं निष्कर्ष

(ई) प्रबंध लेखन प्रणाली

शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा निर्माण, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख पाद-टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ सूची, साक्षात्कार, अन्य स्त्रोत

(उ) अनुसंधान कार्य के घटक तत्त्व और सामग्री

1) घटक तत्त्व : अनुसंधान कर्ता निर्देशक।
   क) अनुसंधान कर्ता के गुण
   ख) निर्देशक के गुण
2) सामग्री - प्रकार एवं स्त्रोत
3) अनुसंधान प्रस्तुति के प्रकार- प्रबंध, प्रपत्र प्रकाशन, पावर पॉईंट प्रेजेंटेशन, प्रबंधिका, मौखिकी।

संदर्भ ग्रंथ -

1) शोध प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा
2) नवीन शोध विज्ञान - डॉ. तिलकसिंह
3) अनुसंधान का विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह
4) साहित्य सिद्धांत और शोध - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
5) हिंदी अनुसंधान - डॉ. विजयपाल सिंह
6) अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. सावित्री सिन्हा
7) अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेंद्र
8) अनुसंधान प्रविधि - डॉ. गणेशन
9) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. विनयकुमार पाठक
10) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. शिवाजी देवरे, डॉ. मधु खराटे
11) अनुसंधान और अनुशीलन - डॉ. गोपालबाबू शर्मा
12) शोध कैसे करें - डॉ. पुनीत बिसारिया
13) अनुप्रयुक्त अनुसंधान प्रविधि - डॉ. सुरेश माहेश्वरी
14) शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि- बैजनाथ सिंहल
15) अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. भगीरथ मिश्र
16) अवतरण शोधतंत्र के संदर्भ में - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
17) हिंदी शोधतंत्र की रूपरेखा - डॉ. मनमोहन सहगल
18) हिंदी शोध प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. राजेंद्र मिश्र

एम. ए. हिंदी भाग-1

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-1-HI-1110- सामान्य स्तर- कथा साहित्य

(उपन्यास, नाटक, कहानी)

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1 : डूब (उपन्यास) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र. 2 : बाढ़ का पानी (नाटक) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र. 3 :- टिप्पणियाँ

   अ) उपन्यास पर (दो में से एक)

   ब) नाटक पर (दो में से एक)

4) प्रश्न क्र. 4 :- ससंदर्भ व्याख्या

   अ) उपन्यास पर (दो में से एक)

   ब) नाटक पर (दो में से एक)

5) प्रश्न क्र. 5 :- कथांतर (कहानी संग्रह) पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्नपत्र -2-HI-1120

विशेषस्तर-आदि एवं भक्तिकालीन काव्य

(विद्यापति, कबीर, जायसी)

सूचना- 1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पुछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1 :- विद्यापति पदावली पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र. 2 :- कबीर पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र.3 :- जायसी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जायेगा।

4) प्रश्न क्र. 4:- टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

   अ) विद्यापति पदावली पर (एक)

   आ) कबीर पर (एक)

   इ) जायसी पर (एक)

5) प्रश्न क्र.4:- ससंदर्भ व्याख्या (तीन में से दो)

   अ) विद्यापति के पदों पर (एक)

   आ) कबीर के पदों पर (एक)

   इ) जायसी के पदों पर (एक)

प्रश्नपत्र-3-HI-1130-विशेष स्तर

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं आलोचना

सूचना-1) प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रथम तीन प्रश्न भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे।

* चतुर्थ प्रश्न आलोचना पर अंतर्गत विकल्प साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा।

* प्रश्न पाँचवाँ - यह एक वाक्य उत्तर वाले प्रश्नों का होगा। कुल छः प्रश्न दिये जायेंगे तथा प्रत्येक प्रश्न के दो अंक दिये जायेंगे। प्रश्नों का स्वरूप बहुपर्यायी होगा।

प्रश्नपत्र-4-विशेष स्तर वैकल्पिक

HI-1140 (A) विशेष सात्यिकार- सूरदास

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रथम तीन प्रश्न विशेष साहित्यकार सूरदार पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूढे जाएंगे।

* चतुर्थ प्रश्न विशेष साहित्यकार सूरदास पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

* प्रश्ना पाँचवाँ ससंदर्भ व्याख्या का होगा। तीन में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

प्रश्नपत्र-4-विशेष स्तर वैकल्पिक

HI-1140 (B) विशेष विधा : आत्मकथा

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1 :- विशेष विधा आत्मकथा सैद्धांतिक पक्षपर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र.2 :- 'अन्या से अनन्या तक' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र.3 :- 'एक कहानी यह भी' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

4) प्रश्न क्र. 4 :- 'कस्तुरी कुंडल बसै' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

5) प्रश्न क्र. 5 :- तीनों आत्मकथाओं पर 3 टिप्पणियाँ दी जायेगी। उनमें से दो के उत्तर अपेक्षित ।

प्रश्नपत्र-4-विशेष वैकल्पिक

HI-1140 (C) - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रश्न क्र. 1,2,3 एवं 4 दीर्घोत्तरी स्वरूप में अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे।

* प्रश्न क्र. 5- टिप्पणियों का होगा। कुल तीन विषय टिप्पणियों के लिए दिए जाएंगे उनमें से दो के उत्तर लिखा अपेक्षित।

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

प्रथम सत्र

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ. क्र.	विषय	अ. क्र.	विषय
1.	प्रश्नपत्र-1 : सामान्यस्तर आधुनिक गद्य (प्रथम सत्र)	1	प्रश्नपत्र-1-HI-1110-सामान्य स्तर कथा साहित्य (प्रथम सत्र)
2.	प्रश्न पत्र-2 : विशेष स्तर प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य (प्रथम सत्र)	2	प्रश्न पत्र-2-HI-1120-विशेष स्तर आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य (प्रथम सत्र)
3	प्रश्न पत्र-3- विशेष स्तर भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना (प्रथम स्तर)	3	प्रश्न पत्र-3- HI-1130-विशेष स्तर भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त एवं आलोचना (प्रथम सत्र)
4	प्रश्न पत्र-4- विशेष स्तर वैकल्पिक * विशेष साहित्यकार अ) कबीर (प्रथम सत्र) आ) कवि दुष्यन्त कुमार (प्रथम सत्र)	4	प्रश्न पत्र-4-HI-1140- विशेष स्तर वैकल्पिक HI-1140-(A) विशेष साहित्यकार -सूरदास (प्रथम सत्र)
	विशेष विधा- इ) हिंदी उपन्यास (प्रथम सत्र) ई) हिंदी निबंध (प्रथम सत्र)		HI-1140 (B)- विशेष विधा आत्मकथा (प्रथम स्तर)
	अन्य - ड) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (प्रथम सत्र) ऊ) मराठी संतों का हिंदी काव्य (प्रथम सत्र)		HI-1140 (C)- अन्य -अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (प्रथम सत्र)

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

प्रश्नपत्र - 5

HI-1210 -सामान्य स्तर- कथेतर गद्य साहित्य

(जीवनी, निबंध, रेखाचित्र)

उद्देश्य-

1) आधुनिक हिंदी कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
2) आधुनिक कथेतर गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करना।
3) विधा विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाकर मूल्यांकन की क्षमता प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम -

पाठ्यपुस्तकें -

1) आवारा मसीहा (जीवनी)- विष्णु प्रभाकर,
   राजपाल ॲण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली, चौथा संस्करण, 1979
2) आलोक अनवरत (ललित निबंध)- श्यामसुंदर दुबे,
   यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली, मुंबई

अध्ययनार्थ निबंध -

1) देह दिया में प्राण की बाती
2) नए पुल पर पहली बार
3) पिता, आखिर पिता ही है
4) ऋतु-पावस नियरानी
5) संस्कृति का आदि स्त्रोत
6) नव तुलसी दल मंगल मूला
7) दूर्वा : पृथ्वी का मंगल विधान
8) मंगल ऊर्जा का आदि स्त्रोत
9) जीवन की संपूर्णता का कलश बोध
10) दीप पर्व पर दीप-चिंतन

3) माटी की मूरतें (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी
बेनीपुरी प्रकाशन, बोरिंग रोड, पटना

(इस संकलन से रजिया और बैजू मामा छोड़कर अन्य सभी रेखाचित्र अध्ययनार्थ है। इस संकलन पर परीक्षा में केवल एक टिप्पणी नुमा प्रश्न पूछा जाएगा। पठित रेखाचित्रों पर ससंदर्भ व्याख्या के लिए अवतरण नहीं पूछा जाएगा।)

संदर्भ ग्रंथ -

1) छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी

2) आवारा मसीहा- सृजन और मूल्यांकन - डॉ. जगन्नाथ चौधरी

3) विष्णु प्रभाकर- व्यक्ति और साहित्य - सं. डॉ. महीपसिंह

4) हिंदी जीवनी साहित्य: सिद्धांत और अध्ययन - डॉ. भगवतशरण भारद्वाज

5) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

6) हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन - डॉ. मुरलीधर शहा

7) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. हरिमोहन

8) हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और सृजन - डॉ. अनिता पाण्डेय

9) हिंदी रेखाचित्र - डॉ. हरवंशलाल शर्मा

10) हिंदी रेखाचित्र-सिद्धांत और विकास - डॉ. मख्खनलाल शर्मा

11) ललित निबंधकार कुबेरनाथ राय - डॉ. सुरेश माहेश्वरी

12) हिंदी और मराठी रेखाचित्रों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. सुरेश जैन

13) श्यामसुंदरदास दुबे : संवेदना और शिल्प - डॉ. कुमोद सिंघई

14) श्यामसुंदरदास दुबे की सर्जना का लोकपक्ष - डॉ. प्रियंका राय

15) श्यामसुंदर दुबे की रचना दृष्टि - डॉ. गोपाल भुरैया

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

प्रश्नपत्र - 6-HI-1220 विशेष स्तर- रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि -

1) बिहारी
2) घनानंद
3) भूषण

अध्ययन हेतु रचनाएँ , संदर्भ व्याख्या हेतू छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार से है-

1) बिहारी प्रकाश- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1

संसदर्भ व्याख्या के लिए सभी दोहे।

अध्ययनार्थ विषय- बिहारी द्वारा वर्णित-

1) संयोग श्रृंगार
2) वियोग श्रृंगार
3) प्रसंगोद्भावना
4) सौंदर्य चित्रण
5) अनुभाव योजना
6) बिहारी की बहुज्ञता
7) भक्ति-नीति
8) काव्य-सौंदर्य

2) घनानंद - महाकवि घनानंद और उनकी काव्यकला
सं. प्रा. सजनराम केणी
प्रकाशक- सुरेश गणेश आपटे
63, बुधवार पेठ, पुणे.

छंद - 7, 8, 12, 21ख 25, 35, 36, 54, 62, 90

अध्ययनार्थ विषय -

1) रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ
2) घनानंद का व्यक्तित्व
3) प्रेमव्यंजना
4) श्रृंगार रसवर्णन
5) वेदना भाव
6) भक्ति भावना
7) काव्य सौष्ठव
8) रीतिकाल में घनानंद का स्थान।

3) संक्षिप्त भूषण - सं. डॉ. भगवानदास तिवारी,
साहित्य भवन, प्रा.लि.
जी. रोड, इलाहाबाद-211003

छंद - 17, 26, 28, 30, 41, 43, 68, 72, 91, 95

अध्ययनार्थ विषय-

1) युगचेतना और भूषण- युगजीवन का चित्र
2) भूषण काव्य में शिवचरित्र
3) रसविवेचन- वीर रस तथा अन्य रस
4) अलंकार निरुपण
5) भूषण की राष्ट्रीयता
6) भाषा शैली
7) भूषण की काव्य कला
8) राष्ट्रीय काव्यधारा में भूषण का स्थान

संदर्भ ग्रंथ -

1) बिहारी का न्या मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह
2) बिहारी सतसई - जगन्नाथ दास रत्नाकर
3) बिहारी मीमांसा - डॉ. रामसागर त्रिपाठी
4) बिहारी का काव्य लालित्य - डॉ. रमाशंकर तिवारी
5) स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद - डॉ. मनोहरलाल गौड़
6) घनानंद का श्रृंगार काव्य - डॉ. रामदेव शुक्ल
7) रीतिबद्ध काव्यधारा - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
8) बिहारी की वाग्विधता - विश्वनाथप्रसाद मिश्र
9) घनानंद - राज बुद्धिराजा
10) भूषण (ग्रंथावली) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
11) भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
12) भूषण : साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुशीलन - डॉ. भगवानदास तिवारी
13) भूषण विमर्श - श्री. भगीरथ दीक्षित

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

प्रश्नपत्र-7 -विशेष स्तर - HI-1230

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत और वाद

उद्देश्य -

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना।

2) पाश्चात्य काव्यशास्त्रों के सिद्धांतों का विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धांतों का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम -

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय।
(इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जाएगा)

2) अनुकरण सिद्धांत - अनुकरण की व्याख्या, स्वरूप, अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय

3) विरेचन सिद्धांत - प्लेटो- अरस्तु के विचारों का विवेचन, त्रासदी और विवेचन

4) उदात्त सिद्धांत - लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या,स्वरूप,उदात्त के अंतरंग- बहिरंग तत्त्व, उदात्त के विरोधी तत्त्व, काव्य में उदात्त का महत्त्व।

5) क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद- अभिव्यंजना का स्वरूप और महत्त्व

6) रिचर्डस का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत- काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन संप्रेषण का स्वरूप एवं महत्त्व, रिचर्डस का योगदान।

7) निवैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता का सिद्धांत-इलियट की निवैयक्तिकता की धारणा, परिवर्तित धारणा, व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप।

8) निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अध्ययन- कलावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ -

1)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	डॉ. देशराजसिंह भाटी
2)	समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदंड	-	डॉ. रामसागर त्रिपाठी/ डॉ. शाम मिश्र
3)	भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	-	डॉ.सत्यदेव चौधरी शांतिस्वरूप गुप्त
4)	संमीक्षालोक	-	डॉ. भगीरथ मिश्र
5)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत	-	कृष्णदेव शर्मा
6)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	रामपूजन तिवारी
7)	अरस्तू का काव्यशास्त्र	-	डॉ. नगेंद्र
8)	उदात्त के विषय में	-	डॉ. निर्मला जैन
9)	रिचर्डस के आलोचना सिद्धांत	-	डॉ. शंभुदत्त झा
10)	टी. एस. इलियट के आलोचना सिद्धांत	-	डॉ. शिवमूर्ति पांडेय
11)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	देवेंद्रनाथ शर्मा
12)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड	-	डॉ. भाऊसाहेब परदेशी
13)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा	-	डॉ. तेजपाल चौधरी
14)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	डॉ. विजयकुमार वेदालंकार

प्रश्नपत्र-8- HI-1240 -विशेष स्तर- वैकल्पिक

(A) आदिवासी विमर्श

उद्देश्य -

1) आदिवासी रचनाकारों का परिचय कराना।
2) आदिवासी संस्कृति-समाज और जीवन को समझाना।
3) आदिवासी साहित्य का मूल्यांकन तथा उनके साहित्यिक योगदान का ज्ञान कराना।
4) आदिवासी हिंदी साहित्य के विकासक्रम को समझाना।

पाठ्यक्रम -

पाठ्यक्रम ग्रंथ-

1) जंगल जहाँ शुरु होता है - संजीव
   (उपन्यास) राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2) धरती आबा - ऋषिकेश 'सुलभ'
   (नाटक) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3) नगाड़े की तरह बजते है शब्द - निर्मला पुतुल
   (काव्य) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

   (इस संकलन से अपनी जमीन तलाशती बेचैन स्त्री, आदिवासी स्त्रियाँ, आदिवासी लड़कियों के बारे में, संथाल परगना, अपने घर की तलाश में, बूढ़ी पृथ्वी का दुख,ये वे लोग हैं जो...., मैं वो नहीं हूँ जो तुम समझे हो, माँझी-थान, जो कुछ देखा.... सुना, समझा, आदि कविताएँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं।)

अध्ययनार्थ विषय :-

1) आदिवासी -अर्थ- परिभाषा-व्याप्ति -स्वरूप।
2) आदिवासी हिंदी साहित्य की विकास यात्रा।
3) आदिवासी समाज की विशेषताएँ ।
4) आदिवासी समाज और संस्कृति।
5) आदिवासी समाज की समस्याएँ और विकास के प्रश्न।
6) आदिवासी लोकसंस्कृति और भाषा का परिचय।
7) हिंदी साहित्य में आदिवासी संस्कृति का चित्रण।
8) आदिवासी साहित्य भाव एवं कलापक्ष।

संदर्भ ग्रंथ -

1) भारत के आदिवासी विकास की समस्याएँ - पी. आर. नायडू

2) आदिवासी समस्या और बदलते संदर्भ - डॉ. गोविंद गारे

3) भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता-खंड-1 - डॉ. सुरेश गौतम

4) हिंदी में आदिवासी जीवन केंद्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन - डॉ. बी. के. कलासवा

5) आदिवासी शौर्य और विद्रोह - रमणिका गुप्ता

6) आदिवासी : विकास के विस्थापन - रमणिका गुप्ता

7) आदिवासी साहित्य यात्रा - रमणिका गुप्ता

8) आदिवासी कौन? - रमणिका गुप्ता

9) समकालीन हिंदी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श- डॉ. शिवाजी देवरे, मधु खराटे

10) आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता

11) विमर्श के विविध आयाम - डॉ. अर्जुन चव्हाण

12) आदिवासी लोक साहित्य - डॉ. गौतम कुँवर

13) आदिवासी केंद्रित हिंदी साहित्य - सं. डॉ. उषा कीर्ति राणावत

14) वर्तमान समय में आदिवासी समाज - सं. गीता वर्मा

15) भारतीय आदिवासी (मराठी) - गुरुनाथ नाडगोंडे

16) भील जनजाति का सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन- जगदीशचन्द्र वीणा

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

HI-1240 (B) दलित विमर्श

उद्देश्य :-

1) हिंदी साहित्य में दलित चेतना के अविर्भाव के कारणों और परिस्थितियों से अवगत होना।
2) हिंदी दलित रचनाकारों का परिचय प्राप्त करना।
3) दलित साहित्य की विभिन्न विधाओं को समझना।
4) दलित समाज-संस्कृति और भाषा को समझना।
5) दलित साहित्य की कसौटियों को समझना।
6) हिंदी दलित साहित्य के विकासक्रम को जानना ।

पाठ्यक्रम -

पाठ्यग्रंथ-

1) कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक
   (नाटक) राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं. 2009
2) अब और नहीं - ओमप्रकाश वाल्मीकि
   (काव्य) राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, पटना
   (इस संकलन से लेखा-जोखा, अस्थि विसर्जन, आईना, जो मेरा कभी नहीं हुआ, जाति, किष्किंधा, अँगूठे का निशान, दीवार के उस पार, काले दिनों में, गोदामों में बंद रोशनी, आदि कविताएँ अध्ययनार्थ रखी गई हैं।
3) मेरा बचपन मेरे कंधों पर - श्यौराजसिंह बेचैन
   (आत्मकथा) स्वराज प्रकाशन
   (तात्विक मूल्यांकन अपेक्षित)

अध्ययनार्थ विषय-

1) दलित शब्द का अर्थ-परिभाषा और स्वरूप।
2) भारतीय समाज व्यवस्था और दलित।
3) दलित साहित्य की विशेषताएँ ।
4) हिंदी दलित साहित्य का विकास ।
5) हिंदी दलित साहित्य की प्रेरणा और प्रभाव
6) दलित साहित्य का भाव और कलापक्ष

संदर्भ ग्रंथ -

1) समकालीन नाट्य विवेचन - डॉ. माधव सोनटक्के
2) हिंदी साहित्य में दलित चेतना - डॉ. आनंद वारकर
3) साहित्य और दलित चेतना - सं. महीपसिंह / डॉ.चंद्रकांत बांदिवड़ेकर
4) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - डॉ. शरणकुमार लिंबाले
5) दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार- रमणिका गुप्ता
6) हिंदी उपन्यास में दलित वर्ग - डॉ. कुसुम मेघवाल
7) भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य - डॉ. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी
8) दलित चेतना के अनुप्रणित हिंदी उपन्यास - डॉ. नटवरभाई परमार
9) दलित संघर्ष और सामाजिक न्याय - डॉ. पुरणमल
10) चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य - डॉ. श्यौराजसिंह बेचैन
11) दलित चेतना के संदर्भ में कथाकार ओमप्रकाश - डॉ. जोगिंद कुमार
12) हिंदी दलित साहित्य और चिन्तन - डॉ. ललिता कौशल
13) ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों में सामाजिक लोकतांत्रिक चेतना - सं.डॉ. हरपालसिंह 'अरुब'
14) दसवें दशक के हिंदी उपन्यासों में दलित चेतना - वसाणी कृष्णवंती पी.
15) हिंदी उपन्यासों में दलित चेतना - डॉ. रामचंद्र माली
16) दलित साहित्य का मूल्यांकन - प्रो. चमनलाल
17) दलित साहित्य और समसामायिक संदर्भ - डॉ. श्रवणकुमार वीणा
18) दलित साहित्य: वेदना और विद्रोह अनु. सूर्यनारायण रणसुभे - शरणकुमार लिंबाले
19) अम्बेडकरवारी सौंदर्यशास्त्र और दलित आदिवासी-जनजातीय विमर्श - डॉ. विनयकुमार पाठक
20) दलित चेतना साहित्य - रमणिका गुप्ता
21) अम्बेडकरवादी सौंदर्यशास्त्रीय यथार्थवाद और प्रा. दामोदर मोरे की रचनाधर्मिता - डॉ. विनयकुमार पाठक, देवबहादुर सिंह
22) हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि - डॉ. विनयकुमार पाठक
23) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में शोषण के विभिन्न रूप - डॉ.सुरेश तायडे

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

HI-1240-विशेष स्तर- वैकल्पिक

(C) स्त्री विमर्श

उद्देश्य-

1) नारी रचनाकारों का परिचय कराना।
2) स्त्री विमर्श साहित्य का परिचय करना।
3) नारीवादी आंदोलन को समझना।
4) स्त्री-विमर्श विषयक साहित्य का मूल्यांकन तथा उसके साहित्यिक योगदान का ज्ञान कराना।
5) स्त्री-विमर्श विषयक हिंदी साहित्य के विकासक्रम को समझना।

पाठ्यक्रम

पाठ्यग्रंथ-

1)	एक जमीन अपनी (उपन्यास)	-	चित्रा मुद्गल प्रभात प्रकाशन, तथा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
2)	सात भाईयों के बीच चम्पा (काव्य)	-	कात्यायनी आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, स.1999

(इस संकलन से सात भाईयों के बीच चम्पा, इस स्त्री से डरो, वह रचती है जीवन और....., दाहक जीवनद्रोह, देह न होना, इस पौरुष समय में, गार्गी, ऐसा किया जाय, हॉकी खेलती लड़कियाँ, नहीं हो सकता तेरा भला आदि कविताएँ अध्ययनार्थ है)

3)	गमे-हयात ने मारा (कहानी)	-	राजी सेठ भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

(इस संकलन से मुलाकात, सहकर्मी, बाहरी लोग, दलदल, विदेश में एक पिता, मेरे लिए नहीं, एक कटा हुआ कमरा, परमा की शादी, ठहरों इन्तजार हुसैन तथा खाली लिफाफा आदि कहानियाँ निर्धारित की गयी है।)

अध्ययनार्थ विषय :-

1) स्त्री विमर्श : अर्थ, परिभाषा और परिव्याप्ति।
2) स्त्री विमर्श : मूल प्रवृत्तियाँ।
3) नारी मुक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि।
4) स्त्री विमर्श पाश्चात्य दृष्टिकोण।
5) स्त्री विमर्श भारतीय दृष्टिकोण।
6) हिंदी साहित्य में नारी लेखन का विकास।
7) हिंदी साहित्य में नारी लेखन की भाषागत विशेषताएँ।
8) स्त्री विमर्श हिंदी साहित्य की भाषा।

संदर्भ ग्रंथ -

1) स्त्री विमर्श विविध पहलू - सं. कल्पना वर्मा
2) अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - सं. राजेंद्र यादव, अर्चना वर्मा
3) स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता
4) हिंदी और उर्दू कविता में नारीवाद - नगमा जावेद मलिक
5) हिंदी के अधुनातन नारी उपन्यास - इंदूप्रकाश पांडेय
6) अंतिम दशक के महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में स्त्री विमर्श - डॉ. कृष्णा पोतदार
7) अंतिम दशक की लेखिकाओं के उपन्यासों में नारी - डॉ. रामचंद्र माली
8) स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
9) स्त्री लेखन और समय के सरोकार - हेमलता माहेश्वरी
10) स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ - रेखा करतवार
11) स्त्री देह विमर्श - सुधीर पचौरी
12) समकालीन हिंदी काव्य : दशा और दिशा - जयप्रकाश शर्मा
13) स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी/सुधा सिंह
14) स्त्री विमर्श - डॉ. विनयकुमार पाठक
15) समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
16) समकालीन हिंदी कहानी - बलराम
17) समकालीन महिला लेखन - ओमप्रकाश शर्मा
18) उत्तरशती के हिंदी उपन्यासों में नारी विमर्श - डॉ. जयश्री गावित
19) आधुनिक एवं हिंदी कथासाहित्य में नारी का बदलता स्वरुप - डॉ. मुदिना चन्द्रा, सुलक्षणा टोप्पो
20) भारतीय नारी दशा और दिशा - आशारानी व्होरा
21) राजी सेठ का कथा साहित्य चिंतन एवं शिल्प - डॉ. सरोज शुक्ला
22) राजी सेठ का रचना संसार - डॉ. स्नेहजा सोनाले
23) महिला रचनाकारों के उपन्यासों में नारी सशक्तीकरण - डॉ. स्वाती नारखेडे

एम. ए. हिन्दी भाग-1

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-5

HI-1210-सामान्य स्तर-कथेतर गद्य साहित्य

(जीवनी, निबंध, रेखाचित्र)

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1- 'आवारा मसीहा' (जीवनी) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र.2- 'आलोक अनवरत' (निबंध) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र.3- टिप्पणियाँ

   अ) जीवनी पर (दो में से एक)

   आ) निबंध पर (दो में से एक)

4) प्रश्न क्र. 4- संसदर्भ व्याख्या अ-विभाग में जीवनी पर दो और आ) में निबंध पर दो अवतरण दिये जाएंगे। प्रत्येक विभाग में से एक-एक ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित है।

5) प्रश्न क्र. 5- माटी की मूरतें (रेखाचित्र पर) तीन टिप्पणियाँ पूछी जाएगी- दो के उत्तर अपेक्षित है।

प्रश्नपत्र-6

HI-1220- विशेष स्तर- रीतिकालीन काव्य

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1- बिहारी पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी होगा।

2) प्रश्न क्र.2- घनानंद पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी होगा।

3) प्रश्न क्र. 3- भूषण पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी होगा।

4) प्रश्न क्र.4- निर्धारित तीनों कवियों पर एक-एक टिप्पणी पूछी जाएगी- किन्हीं दो के उत्तर अपेक्षित है।

5) प्रश्न क्र. 5- ससंदर्भ व्याख्या का होगा। निर्धारित तीनों कवियों पर तीन अवतरण पूछे जाएंगे। किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी।

प्रश्नपत्र-7

HI-1230- विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत और वाद

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रथम चार प्रश्न 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत और वाद' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी पूछे जाएंगे।

* प्रश्न पाँचवाँ यह एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्नों का होगा।

  (कुल छः प्रश्न दिये जायेंगे तथा प्रत्येक प्रश्न को 2 अंक दिये जायेंगे। प्रश्नों का स्वरूप बहुपर्यायी होगा।)

प्रश्नपत्र-8

विशेष स्तर - वैकल्पिक

HI-1240 (A) आदिवासी विमर्श

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1- आदिवासी विमर्श के सैद्धांतिक प्रश्न पर अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र.2- उपन्यास पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र.3- नाटक पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

4) प्रश्न क्र.4- काव्य पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

5) प्रश्न क्र.5- टिप्पणियाँ -

(उपन्यास, नाटक एवं काव्य पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। उनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी होगी।

प्रश्नपत्र-8

विशेष स्तर - वैकल्पिक

HI-8-1240 (B) दलित विमर्श

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1- दलित विमर्श के सैद्धांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र.2- नाटक पर पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र.3- काव्य पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

4) प्रश्न क्र. 4- आत्मकथा पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

5) प्रश्न क्र. 5- टिप्पणियाँ

(तीनों पाठ्यपुस्तकों पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी होगी।)

प्रश्नपत्र-8

विशेष स्तर - वैकल्पिक

HI-1240 (C) स्त्री-विमर्श

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रश्न क्र. 1- स्त्री-विमर्श के सैद्धांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

2) प्रश्न क्र.2- उपन्यास पर आधारीत दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

3) प्रश्न क्र.3- काव्य पर आधारीत दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

4) प्रश्न क्र. 4- कहानी पर आधारीत दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

5) प्रश्न क्र. 5- टिप्पणियाँ
(तीनों पाठ्यपुस्तकों पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी होगी।)

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

द्वितीय सत्र

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ. क्र.	विषय	अ. क्र.	विषय
1.	प्रश्नपत्र-1 : सामान्यस्तर आधुनिक गद्य (द्वितीय सत्र)	1	प्रश्नपत्र-5-HI-1210-सामान्य स्तर कथेतर गद्य साहित्य (द्वितीय सत्र)
2.	प्रश्न पत्र-2 : विशेष स्तर प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य (द्वितीय सत्र)	2	प्रश्न पत्र-6-HI-1220-विशेष स्तर रीतिकालीन काव्य (द्वितीय सत्र)
3	प्रश्न पत्र-3- विशेष स्तर भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना (द्वितीय सत्र)	3	प्रश्न पत्र-7- HI-1230- विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त तथा वाद (द्वितीय सत्र)
4	प्रश्न पत्र-4- विशेष स्तर वैकल्पिक * विशेष साहित्यकार अ) कबीर (द्वितीय सत्र) आ) कवि दुष्यन्त कुमार (द्वितीय सत्र)	4	प्रश्न पत्र-8-HI-1240- विशेष स्तर- वैकल्पिक HI-1240-(A) आदिवासी विमर्श (द्वितीय सत्र)
	विशेष विधा- इ) हिंदी उपन्यास (द्वितीय सत्र) ई) हिंदी निबंध (द्वितीय सत्र)		HI-1240 (B)- दलित विमर्श (द्वितीय सत्र)
	अन्य - ड) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (द्वितीय सत्र) ऊ) मराठी संतों का हिंदी काव्य (द्वितीय सत्र)		HI-1240 (C)- नारी विमर्श (द्वितीय सत्र)

डॉ. शिवाजी देवरे
अध्यक्ष,
हिंदी अध्ययन मंडल ,
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

रोजगारभिमुख उपलब्धता

१. हिंदी उच्च्तर ज्ञानविज्ञान की नाना शाखाओं, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी, तकनीकी, कम्प्यूटर, इंटरनेट, इलैक्ट्रानिक मीडिया, विपणन, विधिन्याय, प्रशासन, वाणिज्य, बॅकिंग, विश्वबाजार तथा शेअर माकेंट के साथ संयुक्त राष्ट्रसंघ की भाषा बने।

२. विज्ञान, विधि, वाणिज्य आयुर्विज्ञान में उच्चस्तरीय हिंदी अनुवाद और लेखन के लिए समर्पित करे।

३. विज्ञान के सर्वकल्याणकारी रुप को हम हिंदीभाषा के माध्यम से विज्ञापित करे।

४. हमें ऐसी पारिभाषित शब्दावली का विकास करना होगा, जिससे वैश्विक स्तर पर हिंदी के पारिभाषित शब्दों के प्रयोग का प्रचलन बढ़ेगा।

५. हिंदी में सॉप्टवेअर विकसित करना होगा जिससे वैश्विक स्तर पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना संभव हो सके।

६. साहित्यिक क्षेत्र से हटकर विकास और समृध्दि के लिए ज्ञानविज्ञान, तकनीकी, उद्योग आदि की नानाविध अभिव्यक्ति शैलियों का भी निर्माण करना होगा।

७. जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय स्तर पर हिंदी का प्रयोग बढाने तथा उसकी उन्नति के लिए हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरुप पर विशेष बल देना होगा।

८. हिंदी के माध्यम से सेवा अवसर एवं रोजगार को बढावा देना होगा, तभी भूमंडलीकरण के इस दौर में हिंदी का अस्तित्व सदृढ़ होकर अपेक्षित विकास कर पाएगा।

९. वर्तमान समय भूमंडलीकरण के प्रभाव को रेखांकित करनेवाला है। भूमंडलीकरण का सर्वाधिक प्रभाव बाजार एवं मंडी पर दिखाई देता है। हिंदी को विश्वपटल पर उभारना हो तो 'बाजार की हिंदी और हिंदी का बाजार' की भी नींव रखनी होगी।

१०.दलित विमर्श का अर्थ है दलितों की पक्षधर, उनको न्याय दिलानेवाली, हनके हिंतों की चिंता करने वाली, उनके लिए संघर्ष करने वाली, उनके मनवोचित अधिकार एवं अस्मिता के लिए प्रेरित करने वाली, शिक्षित एवं संगठित करने वाली मानवतावादी-आंबेडकरवादी विचारधारा को स्थापित करके उन्हें समाज के विकास के मुख्यधारा में लाना।

११.स्त्री विमर्श याने स्त्री विषयक विचार, जो स्त्री स्त्रियों से गुलाम, पीढित, शोषित और उपक्षित रही है उसे स्वतंत्रा देना और समान अधिकार प्राप्त कराके समाज के हर क्षेत्र में उसका विकास करना।

१२.आदिवासी विमर्श याने आदिवासीयों के बारे में विचार। उदारीकरण, निजीकरण, भूमण्डलीकरण आदि के कारण मनुष्य दिन-प्रतिदिन अपने सत्व से अनजाने ही वंचित होता जा रहा है। इस गतिशील प्रवाह में एक ऐसा भी समाज है जो अपने सत्व को कायम रखा चाहता है, वह है आदिवासी समाज।

१३.अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया को समझाकर भविष्य में एक अच्छे शोध-छात्र का निर्माण करना जिसके लिए जीवन में रोजीरोटी के अवसर प्राप्त होंगे।

१४.भारतीय एवं पाश्चत काव्य शास्त्र के सिध्दांतो को समझना।

१५.हिंदी साहित्य की आत्मा भक्ति है। वह आदित्य है। वह मोक्ष है। जीवन में उसके महत्व को समझाना।

डॉ. शिवाजी देवरे
अध्यक्ष,
हिंदी अध्ययन मंडल ,
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव